12.41 hrs.

PETITION RE ENQUIRY INTO AFFAIRS OF CONTAINERS AND CLOSURES LIMITED AND ITS NATIONALISATION

SHRI SAUGATA ROY (Barrackpore) I beg to present a petition signed by Shri Raghunath Ghosh, General Secretary Containers and Closures Staff and Shramik Union Gorifa 24—Parganas regarding enquiry into affairs of the Containers and Closures Limited and its nationalisation

---

12.41½ hrs

STATEMENT RE REOPENING OF RAILWAY SPONSORED STUDENTS' HOSTEL AT PATNA JUNCTION

रेल मन्त्री (प्रो० मधु दण्डवते) : अध्यक्ष महोदय, कल श्री राम विलास पासवान ने मई 1974 मे पटना मे रेलवे सहायता प्राप्त छात्रावास के बन्द किये जाने तथा इसे पुन न खोलने के सम्बन्ध मे किये गये हाल के निर्णय का उल्लेख किया । मैंने कल सदन को आश्वासन दिया था कि एक दिन के अन्दर इस सम्बन्ध मे अंतिम निर्णय कर लिया जायेगा । मुझे यह सूचित करते हुए प्रसन्नता होती है कि पटना मे सहायता प्राप्त छात्रावास जो बन्द होने के 15 वर्ष पूर्व से चल रहा था को पुन खोलने का आज निर्णय कर लिया गया है । छात्रावास के सुचारूरूप से सचालन की व्यवस्था करने के लिये पूर्व रेलवे के महाप्रबधक को आवश्यक अनुदेश जारी किये जा रहे है । यह भी निश्चय किया गया है कि आवेदन-पत्रो की समुचित छानबीन की जायेगी ताकि केवल पात्र छात्रो को ही छात्रावास मे भर्ती किया जाये ।

SHRI N SREEKANTAN NAIR (Quilon) On a point of order Generally Ministers make statements in English because in this House we do not understand Hindi If he wants, he can lay the Hindi version on the Table, that was the practice all along May I request him to speak in English?

MR SPEAKER The Member had raised it in Hindi, you were not present when the Member spoke in Hindi that is why he is making a statement in Hindi There is no point of order in this

---

12 43 hrs

MATTERS UNDER RULE 377

(1) REPORTED PRESS RELEASE BY THE RAILWAYS ABOUT HOLDING UP OF RAILWAY WAGONS BY COAL INDIA LTD ETC

श्री निर्मल चन्द्र जैन (सिवनी) : 27 मार्च का रेलवे ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की है जो 28 मार्च का हिन्दुस्तान टाइम्स और टाइम्स आफ इन्डिया मे छपी है । उसमे इन शब्दो का प्रयोग किया गया है ।

'The blame must surely rest on Coal India Ltd, the collieries, the steel plants and some other thermal power plants who receive coal on priority but hold up the wagons"

रेलवे का यह कहना है इस प्रेस विज्ञप्ति के द्वारा कि 10 हजार वैगन प्रति दिन इन को देते है, जिन मे से कोल इन्डिया लि० के खदानो से 900 वैगन प्रति दिन नही भर पाते है और इस तरह से 9 प्रतिशत शक्ति का नुकसान होता है और कोयला खदानो के मुह पर पडा रहता है । इस्पात के कारखानो मे स्टील प्लान्टस मे 2300 बोक्स वैगन्स प्रति दिन नही भरे जाते हैं और वे यहा पर पडे रहते हैं और थर्मल पावर प्लान्ट 300 वैगन्स प्रति दिन भरने मे असमर्थ रहते है । इस के कारण

[श्री निर्मल चन्द जैन]

वैगन्स वही पर रुक जाते हैं और दूसरी जगह जहां उन की आवश्यकता होती है, वहा पर नही भेजे जा सकते हैं। कल इन्डिया ने यह कहा है और ऊर्जा मत्री जी का भी एक वक्तव्य है कि अप्रैल 1977 से फरवरी 1978 तक 90 7 मिलियन टन कोल निकाला गया और रेलवे मत्रालय की प्रैस विज्ञप्ति के द्वारा उन का यह कहना है कि 87 मिलियन टन कोयले के लिए 1978-79 मे वे वैगन देने मे समर्थ हैं यानी जितना कोयला निकाला गया उस से कम कोयले के वेगन्स दिये जाते हैं लेकिन फिर भी वे उस का लदान करने मे असमर्थ हैं और कोयला वही पडा रहता है और वैगन्स भी वही पडे रहते है। यह सब को ज्ञात है कि देश मे कोयले की बहुत कमी है। इस तरह से इन दोनो विभागो से जो विसगति पैदा हुई है, उस को दूर करना चाहिए। यदि रेलवे मत्रालय का कहना सही है, तो ऊर्जा मत्री को इस ओर ध्यान देना चाहिए जिस से कोयला वहा न पडा रहे और कोयले का वहा से लदान हो सके और देश के अन्य भागो मे वह जा सके। उन्हे रेलवे मिनिस्टर साहब से यह कहना चाहिए कि आप हमे इतने वैगन दीजिए जिन को भरने मे हम समर्थ हैं। क्योकि दोनो विभाग सरकार के पास हैं इसलिए मैं निवेदन करना चाहता हू कि सरकार के ये दोनो विभाग मत्रणा कर के किसी प्रकार के नतीजे पर पहुचे जिससे कि सभी को कोयला मिल सके।

(11) REPORTED AGITATION BY PADDY PRODUCERS FOR RAISING THE PRICE OF PADDY IN ANDHRA PRADESH

SHRI P RAJAGOPAL NAIDU (Chittoor) Sir, the Minister of Agriculture is not here If I make the statement

MR SPEAKER If you want you can make the statement

SHRI P RAJAGOPAL NAIDU Will it be conveyed to him?

MR. SPEAKER It has already been conveyed to him

SHRI P RAJAGOPAL NAIDU: In Andhra Pradesh, the paddy producers are agitating for raising the price of paddy

MR SPEAKER You know the rules Whatever you have given that should be read out Under rule 377, you cannot make a speech You must have seen the bulletin

SHRI P RAJAGOPAL NAIDU. Yes, I have seen the bulletin Sir, that demand has not been accepted till now At the same time the paddy is not purchased The paddy is of two kinds— one is cyclone affected and the other is good paddy The cyclone affected paddy can be boiled and can be sent to Kerala and other places where they are taking it The other paddy can be purchased but the FCI is not purchasing Now the price is Rs 45 per 75 kg whereas the price fixed is Rs 75 In Circars district a large quantity is available and therefore it must be purchased Therefore, I request the hon Minister to see that all the paddy is purchased at the fixed price

(111) CONSTITUTIONS OF A BENCH OF HIGH COURT FOR MARATHWADA

श्री केशव राव धोंडगे (नान्देड) अध्यक्ष महोदय, मैं रूल 377 के द्वारा विधि और न्याय मत्री महोदय का ध्यान दिलाना चाहता हू कि महाराष्ट्र मे मराठवाडा क्षेत्र के पाच जिलो के लिए अभी तक औरगाबाद मे हाई कोर्ट की बेंच का इन्तजाम नही किया गया है। वहा के लोग महाराष्ट्र सरकार से वहा पर हाई कोर्ट की बेंच कायम करने की माग करते रहे हैं। वहां की बार एसोसियेशन ने भी वहा हाई कोर्ट की बेंच कायम करने की मांग की है। मैं बीस साल असेम्बली मे भी इस बारे मे सवाल करता रहा हू। प्रशासकीय प्रस्ताव लाया गया। मुझे आश्वासन मिला।